

राज्यसभा की 8 सीटों के लिए 19 जून को चुनाव

नई दिल्ली। राज्यसभा की 8 सीटों के लिए 19 जून को द्विवार्षिक चुनाव होंगे। इनमें असम की 2 और तमिलनाडु की 6 सीटें हैं। इन सीटों पर मौजूदा सांसदों का कार्यकाल जून और जुलाई में खत्म हो रहा है। वोटों की गिनती भी 19 जून की शाम को ही होगी।

ईसीआई ने 4 राज्यों के लगभग 350 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया

समर सहारा/प्रेम सैनी/सीकरा

नई दिल्ली स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रेन संस्थान (IIIDEM) में वृथत लेवल अधिकारी (BLO) पर्यवेक्षकों के लिए सातवें क्षेत्र का प्रशिक्षण आज प्रारंभ हुआ। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (एम्प्रेस) ज्ञानेश कुमार ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया, जिनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, गुजरात और हिमाचल प्रदेश के BLO, BLO पर्यवेक्षक और निर्वाचिक नामांकन अधिकारी शामिल हैं। कुल 353 क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों (उत्तर प्रदेश से 101, उत्तराखण्ड से 82, गुजरात से 83 और हिमाचल प्रदेश से 84) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही, पिछले दो महीनों में ईसीआई द्वारा नई दिल्ली में 3,350 से अधिक क्षेत्रीय

अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अपने उद्घाटन भाषण में, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं ताकि चुनावों का संचालन "जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950", "मतदाता पंजीकरण नियम 1960", "चुनाव संचालन नियम 1961" और समय-समय पर ईसीआई द्वारा जारी नियमों के अनुरूप किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिभागी इस प्रशिक्षण के माध्यम से अंतिम निर्वाचिक नामांकनों के प्रकाशन के बाद की प्रथम और द्वितीय अपील की प्रक्रियाओं से भी अवगत होंगे, जो क्रमशः जिला मनिस्ट्रेट, जिला कलेक्टर, कार्यपालक मनिस्ट्रेट के समक्ष (धारा 24(क), आरपी अधिनियम 1950) और गुजरात, गुजरात के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष (धारा 24(ख)) दायर की जाती हैं। सीईसी ने BLOs और BLO पर्यवेक्षकों को

यह भी प्रोत्साहित किया कि वे मतदाताओं को इन प्राच्यधारों के बारे में जागरूक करें। यह उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, गुजरात और हिमाचल प्रदेश से विशेष स्वीकृत पुनरीक्षण (स्क्रीनिंग) प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद 6 से 10 जनवरी 2025 तक किसी भी प्रकार की अपील दर्ज नहीं की गई। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें मतदाता पंजीकरण, फॉर्मों का संचालन और चुनावों प्रक्रियाओं के क्षेत्रीय क्रियान्वयन जैसे फलू शामिल हैं। प्रतिभागियों को आईटी उपकरणों पर भी व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। अधिकारियों को ईवीएम और बीवीपैट्स की तकनीकी जानकारी और मौके पोल का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

ईसीआई ने 350 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया

चूरू @ पत्रिका. नई दिल्ली स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) पर्यवेक्षकों के लिए सातवें बैच का प्रशिक्षण सोमवार को प्रारंभ हुआ। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया, जिनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक और निवाचिक नामांकन अधिकारी शामिल हैं। इस प्रशिक्षण में जिला निवाचिन अधिकारी अधिपेक सुराणा ने भी प्रतिभागिता की। कुल 353 क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों (उत्तर प्रदेश से 101, उत्तराखण्ड से 82, राजस्थान से 83 और हिमाचल प्रदेश से 84) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही, पिछले दो

महीनों में ईसीआई की ओर से नई दिल्ली में 3,350 से अधिक क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अपने उद्धाटन भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं ताकि चुनावों का संचालन "जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950", "मतदाता पंजीकरण नियम 1960", "चुनाव संचालन नियम 1961" और समय-समय पर ईसीआई की ओर से जारी निर्देशों के अनुरूप किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिभागी इस प्रशिक्षण के माध्यम से अतिम निर्वाचक नामावलियों के प्रकाशन के बाद की प्रथम और द्वितीय अपील की प्रक्रियाओं से भी अवगत होंगे, जो क्रमशः जिला मजिस्ट्रेट/जिला कलेक्टर/कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष (धारा 24(क), दायर की जाती है।

जयपुर टाइम्स 27.05.2025

ईसीआई ने 4 राज्यों के लगभग 350 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया

चूरू जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने की प्रतिभागिता

जयपुर टाइम्स
नई दिल्ली(एजेंसी)।। नई दिल्ली स्थित
 भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव
 प्रतिक्रिया संस्थान में दूसरे बाल अधिकारी
 पर्यवेक्षकों के लिए सारांश वेच का प्राप्तिक्रिया
 संस्थानकार्यकारी समिति द्वारा आयोग
 चुनाव आयोक्त जनेश कुमार ने इस
 प्राप्तिक्रिया कार्यकारी के प्रतिमानियों को
 संबोधित किया, जिनमें दूसरे बाल
 प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश
 के BLO, BLO पर्यवेक्षक और
 निवारण नामकांग अधिकारी शामिल हैं।
 दूसरे प्रधान में जिन निवारण अधिकारी



अभियेक सुराणा ने भी प्रतिभागिता की। कुल 353 क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों (उत्तर प्रदेश से 101, उत्तराखण्ड से 82, राजस्थान से 83 और हिमाचल प्रदेश से 84) ने इस-

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही, पिछले दो महीनों में इसीआई की ओर से नई दिल्ली में 3,350 से अधिक क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा

चुका है।

2. अपने उद्घाटन भाषण में, मुख्य चुनाव आयोजन जारी करना तो कहा गया था परंतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक है ताकि चुनावों का संचालन "जन प्रतिनिधित्व अधिकारियों 1950" , "मतदाता पंजीकरण नियम 1960" , "चुनाव संचालन नियम 1961" और सरकार समन्वय पर आयोगों की ओर से जारी निर्देशों के अनुरूप किया जा सके। उन्हें यह भी बताया गया कि प्रतिभावानी परिषिक्षण का माध्यम से अतिरिक्त नियंत्रक नामांकनों के प्रबलास के बाद की प्रथम और द्वितीय आपैल की प्रक्रियाओं से भी अवश्य होंगे, जो कम्हा जिता जाएगा। डिजिटल जिता कलेक्टर/कार्यपालक नियमित रूप से सम्भव है।
3. यह उत्तराखण्डीय है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान और उत्तराखण्ड प्रशिक्षण संक्षिप्त पुस्तकों का पृष्ठ होने के बाद 6 से 10 जनवरी 2025 तक किसी को बाटू की ओरीनल डर्ज की जाए।
4. यह प्रशिक्षण विशेष रूप से प्रतिभावानी की व्यावाहारिक समझ को बढ़ाव दाने के लिए डिजिटल किया जाया है, जिससे मतदाता पंजीकरण, फार्मों का संचालन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्रीय विकास यात्रा का फल शामिल है। प्रतिभावानी को आईटी उपकरणों पर एक व्यावाहारिक प्रशिक्षण मिलाया। अधिकारियों को इंजीनियर और वीरोपेंटस की तकनीकी जानकारी का अचूक पोल का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायगा।